CATHEOIIC OEHPONECTMA

| L. XXIV | MONTREAL, FRIDAY, OCT. 17, 1873. |  |  | NO. 9 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | hat | feeling heart." Garry M'Quillan by this tine was remorea iuto a better apartment and treated as became <br> in a better apartincut |  |  |
|  |  | an Irish chieftin; the rigor used to him at first was at trial to break hisindependent spirit but this not haviug had the desired effect, he |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | walking the apartwent with all that clannishand dignified air so natural to an Irish chief- |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | tain. Davers desired them to stay back until he |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | was taken without cause at the present time. |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Sou, and |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| len |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| dillecter |  | etit fovernors, and hoped it would be alway: |  |  |
|  |  |  |  |  |
| of Mopulilun , whin |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | Selm |  |  |
| either kill one of those |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| den |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| and cesena |  | ater service save that of lis country, nor shall be so mean as ask him," adding, "I would |  | (late |
|  |  |  |  |  |
|  |  | Men |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | Sely |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | (eata |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

